विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत दिनांक 10-01-2021

वर्ग पंचम शिक्षक राजेश कुमार पाण्डेय

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित

यह था छोटे छोटे वाक्यों का अनुवाद ।मै पढ़ता हूँ ।अहम् पठामि ।मै खाता हूँ । अहम् खादामि ।वह दौड़ता है । सः धावति । घौड़ा दौड़ता है = अश्वः धावति ।तुम पीते हो= त्वम् पिबसि।इस प्रकार छोटे वाक्यों का अनुवाद हमने सीखा।

अब थोड़े बड़े वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद करेगें । इसके लिये हमें कारक का प्रयोग भी करना पड़ेगा । कारक में सात विभक्तियाँ होती है , यह हम पहले पड़ चुके है ।

प्रथमा - ने

द्वितीया- को

तृतीया- से, द्वारा

चतुर्थी- के लिये

पंचमी- से

षष्ठी- का , की , के

सप्तमी- में, पर

संबोधन- हे, अरे

इस प्रकार कारक का अर्थ प्रत्येक विभक्ति के अर्थ के अनुसार किया जायगा । तथा काल का प्रयोग भी होगा, भुत , भविष्य , वर्तमान जो भी हो - वाक्य हे-

राम ने रावण को मारा - ने- प्रथमा, को- द्वितीया , मारा- भुतकाल ।

रामः रावणं अताडयत ।

पेड़ से पत्ता गिरा - वृक्षेण पत्रं अपतत् ।

हम सब प्रातःकाल बगीचे में घुमने जाते है ।- वयम् प्रातःकाले उद्याने भ्रमणं गच्छामः ।

मै सूर्य को नमस्कार करता हूँ- अहम् सूर्यं नमस्करोमि (नमामि) ।

राम श्याम को अपनी पुस्तक देता है- रामः श्यामं स्वपुस्तकं ददाति ।

मैनें फुल को देखा । अहम् पुष्पं अपश्यम् ।

मै प्रातःकाल दौड़ता हँ । अहम् प्रातःकाले धावामि ।

इस प्रकार पुरुष , काल . वचन . सभी बातों को ध्यान में रखते हुवे हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद कर सकते है ।